Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to include persons belonging to Gurjar and all other backward communities in Shri Ram Janmabhoomi Teerth Kshetra Trust.

श्री मलूक नागर (बिजनौर): श्री राम जन्मभूमि से संबंधित वर्ष 1976 में एएसआई के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक की रिपोर्टानुसार मस्जिद के नीचे मंदिर में मिले अवशेष करीब 8वीं से 11वीं शताब्दी के हैं, उन दिनों करीब 300 वर्षों तक गुर्जर प्रतिहार राजाओं का राज था और रिपोर्ट में बताया गया है कि गुर्जर प्रतिहार राजाओं ने यह मंदिर बनवाया था माननीय सुप्रीम कोर्ट के आर्डर से संबंधित कोर्ट की प्रोसिडिंग में भी इसका जिक्र है और इसको भी आधार मानकर आदेश आया था । फिर भी गुर्जर समाज व पिछडों (गुर्जर, जाट, यादव, पाल, सैनी आदि) किसी को भी 'श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में ट्रस्टी नही बनाया है । उपरोक्त विषय से संबंधित मुद्दे को मैंने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अनुदानों पर चर्चा के दौरान दिनांक 13-3-2020 को भी उठाया था ।

अत: सरकार से मांग है कि उपरोक्त ट्रस्ट में गुर्जर सदस्य व पिछडे सभी समाजों से भी सदस्य मनोनीत किये जाए ।